Kya Paaya Lyrics

English

Karvat Karvat Bas Ashq Bahe Rote Hi Rahe Deedar Ko Hum
Karvat Karvat Bas Ashq Bahe Rote Hi Rahe Deedar Ko Hum

Jo Khaab The Saare Toot Gaye Kitna Tadpe Tere Pyar Ko Hum
Jo Khaab The Saare Toot Gaye Kitna Tadpe Tere Pyar Ko Hum

Wo Karte Rahe Humpe Hi Sitam
Ik Baar Na Humpe Taras Khaya
Apne Ghar Mein Hum Ghair Hue
Har Roz Hai Dard Naya Paya

Kya Paya Kya Paya Dil Lagakar Ke Kya Paya
Kya Paya Kya Paya Dil Lagakar Ke Kya Paya

Jo Chalte The Meri Taraf Bas
Kisi Aur Dar Pe Rukne Lage
Jin Aankhon Ke Chaand Kabhi The
Unn Aankhon Ko Chubhne Lage

Wo Bhool Gaya Saare Wade
Mehboob Naya Wo Ghar Laya
Apne Ghar Mein Hum Ghair Hue
Har Roz Hai Dard Naya Paya

Kya Paya Kya Paya Dil Lagakar Ke Kya Paya
Kya Paya Kya Paya Dil Lagakar Ke Kya Paya

Ab Khud Ko Hi Hum Koste Hain
Kyun Dil Hum Tumpe Haare The
Kaise Doobe Hum Yaar Wahan
Baithe Hum Dariya Kinare The

Jis Yaar Ka Maine Sajda Kiya
Jiski Khatir Ardaas Hui
Jisko Apna Sabkuch Mana
Lyricsbogie.com

Usne Hi Kyun Ye Haal Kiya

Jab Dard Diya Usne Itna
Phir Kyun Usko Hum Yaad Karein
Dekho Na Kahan La Chhoda Humein
Sab Kuch Usne Barbaad Kiya

Kya Paya Kya Paya Dil Lagakar Ke Kya Paya
Kya Paya Kya Paya Dil Lagakar Ke Kya Paya

Kya Paya Kya Paya Dil Lagakar Ke Kya Paya
Kya Paya Kya Paya Dil Lagakar Ke Kya Paya

More Lyrics from Haq

हिंदी

करवट करवट बस अश्क बहे रोते ही रहे दीदार को हम
करवट करवट बस अश्क बहे रोते ही रहे दीदार को हम

जो ख्वाब थे सारे टूट गए कितना तड़पे तेरे प्यार को हम
जो ख्वाब थे सारे टूट गए कितना तड़पे तेरे प्यार को हम

वो करते रहे हमपे ही सितम
एक बार ना हमपे तरस खाया
अपने घर में हम गैर हुए
हर रोज़ है दर्द नया पाया

क्या पाया क्या पाया दिल लगाकर के क्या पाया
क्या पाया क्या पाया दिल लगाकर के क्या पाया

जो चलते थे मेरी तरफ बस
किसी और दर पे रुकने लगे
जिन आँखों के चाँद कभी थे
उन आँखों को चुभने लगे

वो भूल गया सारे वादे
महबूब नया वो घर लाया
अपने घर में हम गैर हुए
हर रोज़ है दर्द नया पाया

क्या पाया क्या पाया दिल लगाकर के क्या पाया
क्या पाया क्या पाया दिल लगाकर के क्या पाया

अब खुद को ही हम कोसते हैं

क्यों दिल हम तुमपे हारे थे
लिरिक्सबोगी.कॉम
कैसे डूबे हम यार वहाँ
बैठे हम दरिया किनारे थे

जिस यार का मैंने सजदा किया
जिसकी खातिर अरदास हुई
जिसको अपना सबकुछ माना
उसने ही क्यों ये हाल किया

जब दर्द दिया उसने इतना
फिर क्यों उसको हम याद करें
देखो ना कहाँ ला छोड़ा हमें
सब कुछ उसने बर्बाद किया

क्या पाया क्या पाया दिल लगाकर के क्या पाया
क्या पाया क्या पाया दिल लगाकर के क्या पाया

क्या पाया क्या पाया दिल लगाकर के क्या पाया
क्या पाया क्या पाया दिल लगाकर के क्या पाया

More Lyrics from Haq